

[This question paper contains 6 printed pages.]

6343

Your Roll No.

LL.B.

AS

III Term

Paper LB-302 – LIMITATION AND ARBITRATION

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

(Write your Roll No. on the top immediately
on receipt of this question paper.)

Note :– Answers may be written either in English or in
Hindi; but the same medium should be used
throughout the paper.

टिप्पणी :– इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए;
लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt Five questions, including
Question No. 1 which is compulsory and select at
least one question each from Part I and Part II.

All questions carry equal marks.

अनिवार्य प्रश्न क्रमांक 1 सहित कुल पाँच प्रश्न कीजिये। भाग I
और भाग II से कम-से-कम एक प्रश्न अवश्य कीजिये।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Attempt briefly any four of the following :

(a) Limitation Bars the remedy, doesn't destroy the
Right

P.T.O.

- (b) Objective and Scope of Law of Limitation
- (c) Define International Commercial Arbitration
- (d) Explain the meaning of Arbitration Agreement
- (e) Effect of Acknowledgement on limitation law

निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :

- (क) परिसीमा उपचार को वर्जित करती है, अधिकार को नष्ट नहीं करती है ।
- (ख) परिसीमा-विधि के उद्देश्य तथा परिधि ।
- (ग) अन्तर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक माध्यस्थम को परिभाषित कीजिए ।
- (घ) माध्यस्थम करार के अर्थ को स्पष्ट कीजिए ।
- (ङ) परिसीमा विधि पर अभिस्वीकृति का प्रभाव ।

PART I (भाग I)

2. (a) The expression "sufficient cause" mean differently when the delay caused is required to be condoned for state, whereas it conveys a different meaning when the delay caused is required to be condoned in case of private individuals/parties. Comment.
- (b) Explain the effect of fraud or mistake on Law of Limitation.

(क) "पर्याप्त कारण" अभिव्यक्ति का अर्थ तब भिन्न होता है जब कारित विलम्ब को राज्य के वास्ते माफ़ किया जाना अपेक्षित है। यह अर्थ तब भिन्न होता है जब कारित विलम्ब को प्राइवेट व्यक्तियों/पक्षकारों के मामले में माफ़ किया जाना अपेक्षित होता है। टिप्पणी लिखिए।

(ख) परिसीमा-विधि पर कपट तथा त्रुटि के प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।

3. (a) Discuss the types of legal disabilities covered under law of limitation along with illustrations.

(b) What is the true meaning of expression, "Time requisite" for obtaining a copy of the decree or order appealed from found in Sub section I of Sec. 12 of Limitation Act, 1963 ?

(क) परिसीमा-अवधि के अन्तर्गत आने वाली विधिक अशक्तताएँ किस प्रकार की होती हैं, उनका उदाहरण सहित विवेचन कीजिए।

(ख) परिवीक्षा अधिनियम, 1963 की धारा 12 की उपधारा I में उल्लिखित जिस डिक्री अथवा आदेश की अपील की गई है उसकी प्रति प्राप्त करने हेतु "अपेक्षित समय" अभिव्यक्ति का सही अर्थ क्या होता है ?

4. (a) Distinguish between Section 18 & 19 of the Limitation Act, 1963.

(b) Discuss the limitation period in the following circumstances :

- (i) Limitation for specific performance of contract.
- (ii) Any suit for which no limitation period is prescribed elsewhere.
- (iii) Limitation where no period is prescribed.
- (iv) For execution of any decree (other than decree granting a mandatory injunction) or order of any civil court.

(क) परिवीक्षा अधिनियम, 1963 की धारा 18 और 19 के बीच भेद स्पष्ट कीजिए ।

(ख) निम्नलिखित परिस्थितियों में परिसीमा अवधि का विवेचन कीजिए :

- (i) संविदा का विनिर्दिष्ट पालन
- (ii) कोई भी वाद जिसके लिए कहीं अन्यत्र कोई परिसीमा अवधि विहित नहीं की गई है ।
- (iii) परिसीमा जहां कोई अवधि विहित नहीं है ।
- (iv) किसी भी डिक्री (आज्ञापक व्यादेश मंजूर करने वाली डिक्री से अन्य) या किसी सिविल न्यायालय के आदेश के निष्पादन हेतु ।

PART II (भाग II)

5. When the subject matter of Arbitration is taken to the court by filing a suit what ought to be the judicial approach as per the Law of the Arbitration. Can the court suo-moto send the suit to the arbitral tribunal. Discuss with relevant case law on the subject. Can the Question relating to winding-up of company be referred to an Arbitrator ?

जब माध्यस्थम की विषयवस्तु को वाद फाइल करके न्यायालय में ले जाया जाता है तब माध्यस्थम की विधि के अनुसार क्या न्यायिक दृष्टिकोण होना चाहिए ? क्या न्यायालय स्वप्रेरणा से वाद को माध्यस्थम अधिकरण को भेज सकता है ? उक्त विषय पर सुसंगत निर्णय विधि सहित विवेचन कीजिए । क्या कम्पनी के परिसमापन सम्बन्धी प्रश्न को माध्यस्थम को निर्दिष्ट किया जा सकता है ?

6. Critically evaluate the appointment of Arbitrators by the court under the light of SBP & Co. V. Patel Engineering & other recent judgements of the Apex court.

न्यायालय द्वारा मध्यस्थों की नियुक्ति को शिखर न्यायालय के SBP & Co. बनाम Patel Engineering केस में निर्णय के तथा हाल के अन्य निर्णयों को ध्यान में रखते हुए समीक्षात्मक आँकलन कीजिए ।

7. What is the scope of court's jurisdiction in case where award passed by the Arbitral tribunal is challenged under Section 34 of Arbitration & Conciliation Act, 1996.

उस केस में न्यायालय की अधिकारिता की क्या परिब्याप्ति है जिसमें माध्यस्थम अधिकरण द्वारा पारित अधिनिर्णय को माध्यस्थम और सुलह अधिनियम, 1996 की धारा 34 के अन्तर्गत आक्षेपित किया गया है।

8. What is conciliation? Discuss all the important provision of conciliation briefly as given in the Arbitration & Conciliation Act, 1996 under the light of the decided case; Hareesh Daya Ram Thakur V. State of Maharashtra. (AIR 2000 SC 2281)

सुलह क्या होती है ? विनिश्चित केस; हरेश दयाराम ठाकुर बनाम स्टेट ऑफ महाराष्ट्र (ए आई आर 2000 एस सी 2281) को ध्यान में रखते हुए माध्यस्थम और सुलह अधिनियम, 1996 में यथा प्रदत्त सभी प्रमुख उपबन्धों का विवेचन कीजिए।